वी.यू. में 17 वीं राष्ट्रीय श्वान संगोष्ठी पर राष्ट्रीय कांग्रेस का समापन समारोह

जबलपुर। आज दिनांक 23 जनवरी 2020 को पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में त्रि–दिवसीय 17 वीं राष्ट्रीय श्वान संगोष्ठी पर राष्ट्रीय कांग्रेस का संस्कारधानी में प्रथम बार आयोजन किया जा गया जिसका उद्देश्य **''वर्त्तमान परिपेक्ष में श्वानों के रोग निदान, चिकित्सा एवं कल्याण की दिषा बढ़ोत्तरी करना है।''**

इस कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय श्री लखन घनघोरिया, केबिनेट मंत्री, सामाजिक न्यायिक एवं निःशक्तजन कल्याण, मध्यप्रदेश शासन के मुख्य आतिथ्य, डॉ. प्रताभन, अध्यक्ष एवं डॉ. ए.के. श्रीवास्तव, जनरल सेक्रेटरी, ''इंडियन सोसायटी ऑफ एडवांसमेंट फार केनाइन प्रेक्टिसिस'', के विशिष्ठ आतिथ्य एवं माननीय डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति, ना.दे.पशु. चिकित्सा विज्ञान वि.वि., जबलपुर की अध्यक्षता में हुआ।

इस कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष डॉ. आर.के. शर्मा, अधिष्ठाता, कार्यक्रम सचिव डॉ. पी.सी. शुक्ला, संचालक क्लीनिक्स एवं समन्वयक डॉ. अपरा शाही के प्रयासों से सफल आयोजन हुआ है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी का प्रतिवेदन डॉ. राजेश शर्मा, अधिष्ठाता के उद्बोधन से शुरू हुआ, जिसमें उन्होनें इस आयोजन पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डालते हुये कहा कि इस संगोष्ठी के अंतर्गत 10 तकनीकि सत्र आयोजित किये गये जिनके अंतर्गत लगभग 30 शीर्ष शोध पत्र भारतवर्ष के ख्यातिप्राप्त शिक्षाविदों, विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत किये गये, यह ही लगभग 200 से ज्यादा शोधपत्रों का विभिन्न अंचलों से आये शोधर्थियों द्वारा वाचन किया गया। इन सत्रों के

अलावा संगोष्ठी की विचार धारा पर गहन मंथन हेतु प्रथम दिवस में विचार धारा सत्र आयोजित किया गया, संपूर्ण संगोष्ठी के अंतर्गत विभिन्न सत्रों में श्वानों से संबंधित समस्त प्रकार के रोग

जिनमें संसर्गीय रोग, जीवाणु विषाणु, त्वचा, परजीवी बाह्यपरजीवी रोग एवं नियंत्रण आदि के बारे में चर्चा की गई। अन्य तकनीकि सत्रों में शल्य चिकित्सा, व्याधि रोग, पशु पोषण, चयापचायी संबंधित जनन, प्रजनन आनुवांशिक आदि रोगों के उत्पन्न होने तथा रोग निदान के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। तकनीकि सत्र के अंतर्गत श्वानों के निरोगिता, स्वच्छता एवं कुशल प्रबंधन, व्यवहार एवं श्वानों के कल्याण संबंधी विभिन्न बिन्दुओं पर विचार मंथन किया गया। अंत में विभिन्न शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों एवं विषय विशेषज्ञों आदि की सुझावों, अनुशंसाओं को अमल में लाने हेतु केन्द्र सरकार एवं तकनीकि संस्थानों को अतिशीघ्र प्रेषित किया जावेगा।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा राष्ट्रीय श्वान संगोष्ठी पर राष्ट्रीय कांग्रेस में इंडियन सोसायटी ऑफ एडवांसमेंट फार केनायन प्रेक्टिसिस के अलंकरणों के तहत प्राफेसर एस. जे. एंजलो, मेमोरियल नेशनल यंग साइंटिस्ट आवार्ड (सर्जरी) – डॉ. शलका पी. साल्वेकर, शिरवाल, महाराष्ट्र, प्राफेसर अमलेन्दु चक्रवर्ती, नेशनल यंग साइंटिस्ट आवार्ड (मेडीसिन) – डॉ. दिव्या अग्निहोत्री, हिसार, प्रोफेसर सुरेश एस होन्नप्पा नेशनल यंग साइंटिस्ट आवार्ड (रीप्रोडक्शन एण्ड ब्रीडिंग) – डॉ. गुरजीत कौर, लुधियाना, प्राफेसर पी.के. उप्पई नेशनल यंग साइंटिस्ट आवार्ड (माइक्रोबॉयलॉजी) – डॉ. रागिनी मिश्रा, इज्जतनगर, प्राफेसर सी. बालाचन्द्रन नेशनल यंग साइंटिस्ट आवार्ड (एप्लाईड सब्जेक्टस्) – डॉ. मानासुझी देहुसी, भुवनेश्वर, आई.एस.ए.सी.पी. नेशनल यंग साइंटिस्ट आवार्ड (पोस्टर) – डॉ.क्षिप्रा पाण्डेय, नागपुर एवं प्राफेसर यतीराज नेशनल यंग साइंटिस्ट आवार्ड से देश के जाने–माने प्रख्यात पशुचिकित्सकों/केनायन पेट प्रेक्टिसनर्स को सम्मानित किया गया।

इस गरिमामय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री लखन घनघोरिया जी ने प्रकाश डालते हुये कहा कि श्वान का संरक्षण एवं संवर्धन की अतिआवश्यकता है, क्योंकि यह एक वफादार प्राणी है, जो सदैव चौंकीदारी के दायित्व का निर्वाह सजगतापूर्ण करता है। राष्ट्रीय श्वान कांग्रेस का आयोजन विश्वविद्यालय, द्वारा एक अनुकरणीय पहल है, इस हेतु आयोजन समिति व विश्वविद्यालय को बधाई देते हुये साधुवाद ज्ञापित किया।

माननीय डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति जी अपने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुये बताया कि माननीय श्री लखन घनघोरिया जी, केबिनेट मंत्री म.प्र. शासन ने इस विश्वविद्यालय के हित में 02 डेयरी साइंस एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालयों की घोषणा व स्वीकृति तथा निकट भविष्य में मण्डला जिले में एक विटनरी पॉलीटेक्निक पत्रोपाधि पाठ्यक्रम महाविद्यालय की

स्थापना की स्वीकृति तथा जो सुझाव विश्वविद्यालय के हित में दिए उन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए, साधुवाद दिया। राष्ट्रीय कांग्रेस में देश–विदेश के प्रख्यात वैज्ञानिकों व पशुचिकित्सकों प्रतिभागियों की सहभागिता इस कांग्रेस की तकनीकि सत्रों तथा शोध पत्रों के वाचन से मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुतीकरण के माध्यम से भावी रूप रेखा में दशा–दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगी। जिससे भविष्य में पशुचिकित्सक अपनी सेवाओं से समाज प्रदेश व देश की प्रगति में उत्तरोत्तर वृद्धि करने में सहायक सिद्ध होगें।

कार्यक्रम की श्रखंला के अगले चरण में राष्ट्रीय श्वान संगोष्ठी पर कांग्रेस के आयोजन के अवसर पर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्हों से सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. आदित्य मिश्रा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. प्रताभन, अध्यक्ष, इंडियन सोसायटी ऑफ एडवांसमेंट फार केनाईन प्रेक्टिस, आंध्रप्रदेश द्वारा किया गया।

इस कार्यक्रम के अवसर पर देश–विदेश के 400 से अधिक वैज्ञानिकों, केनाईन प्रेक्टिसनर्स एवं स्थानीय डॉ. पी. के. तिवारी, केनाईन प्रेक्टिस नर्स, प्रतिभागियों, विश्वविद्यालय व महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों, अधिष्ठातागणों, संचालकों, प्राध्यापकों, छात्र–छात्राओं, कर्मचारियों एवं संस्कारधानी के प्रेस व इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधियों की गरिमामय उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर (म.प्र.)